हिन्दुओं का गौरव होगा

सनातन धर्म स्थल

(विश्व का सबसे बड़ा तीर्थ स्थान, ज्ञान, पूजा व प्रार्थना का केन्द्र)

₹ 20,000+ करोड़ की लागत से होगा निर्माण

मुख्य उद्देश्य

सनातन धर्म का पुनरुत्थान

सभी हिन्दुओं को एकजुट करना

हिन्दुओं का केन्द्रीय स्थान बनाना

इस परियोजना को आगे विस्तार से जानें और समर्थन करें।

www.sanatandharmafoundation.org

सनातन धर्म प्रतिष्ठान®

(एक सार्वजनिक धार्मिक व धर्मार्थ ट्रस्ट)

संदेश

सनातन धर्म हिन्दुओं और मानवता का आधार है।

हिन्दू सभ्यता सबसे पुरानी सभ्यता है और अन्य पंथों और सम्प्रदायों (यहूदी, पारसी, जैन, बौद्ध, ईसाई, इस्लाम इत्यादि) के आगमन से पहले (1,000 ईसा पूर्व वर्ष) सभी लोग सनातन धर्म का अनुसरण करते थे।

सारे भातीय उपमहाद्वीप में हिन्दू प्रभावी थे लेकिन अन्य पंथों के आक्रमण और राजनितिक घटनाओं के कारण हिन्दू भारत के अंदर ही सिमट कर रह गए। हिन्दू सभ्यता खतरे में है और अगर कोई करवाई नहीं की गयी तो हिन्दू विलुप्त हो जाएंगे।

यह इसलिए हुआ क्योंकि हिन्दू ना एकजुट थे और ना हैं। हिन्दुओं ने बड़े से बड़े मंदिर तो बनाए पर हिन्दुओं का कोई केंद्रीय तीर्थ स्थल, ज्ञान, पूजा, प्रार्थना व मार्गदर्शन करने वाला स्थान नहीं है।

अगर हिन्दुओं को अपनी सभ्यता को बचाना है तो सनातन धर्म के सभी सम्प्रदायों को एकजुट होकर एक सनातन धर्म स्थल का निर्माण करना होगा जो तीर्थ स्थल ही नहीं बल्कि ज्ञान, पूजा, प्रार्थना और मार्गदर्शन का केंद्र भी होगा।

सनातन धर्म स्थल का निर्माण इसी दिशा में एक कदम है।

महाराष्ट्र सरकार ने पत्र क्रम संख्या CMO/Admin Sec/Outward No./232/2023 दिनांक मार्च 03, 2023 द्वारा महाराष्ट्र में **सनातन धर्म स्थल** के निर्माण होने का स्वागत किया और सहयोग देने का आस्वाशन दिया। नोडल अधिकारियों की नियुक्ति भी कर दी। पत्र की प्रति प्रतिष्ठान की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आप इस परियोजना का हिस्सा बनें और किसी ना किसी रूप में सहयोग करें। यह आपकी अपनी आस्था के प्रति जिम्मेदारी भी है।

बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज

हिन्दुओं का आधार - सनातन धर्म

सनातन धर्म - विश्व की सबसे पुरानी सभ्यता।
सनातन धर्म - विश्व के सबसे पुराने धर्म ग्रन्थ।
सनातन धर्म - विश्व की सबसे पुरानी आस्था प्रणाली।

फिर भी

क्यों - हिन्दू एकजुट नहीं
क्यों - हिन्दुओं का कोई भी केंद्रीय मार्गदर्शक स्थान नहीं।
क्यों - हिन्दू जातियों, पंथो और संप्रदायों में बटे हैं।
क्यों - हिन्दुओं के रीति-रिवाजों में भ्रांति है।
क्यों - हिन्दुओं की पूजा पद्धति में समानता नहीं।
क्यों – सनातन धर्म का ज्ञान आने वाली पीढ़ियों को नहीं मिला।
क्यों - हिन्दुओं पर हज़ारों वर्ष से बाहरी लोग आकर राज करते रहे।

क्यों ..... क्यों ..... क्यों .....

इन सबका समाधान होगा

सनातन धर्म स्थल

(विश्व का सबसे बड़ा तीर्थ स्थान, ज्ञान, पूजा व प्रार्थना का केन्द्र)

के निर्माण से

मानवता और आने वाली पीढ़ियों को समर्पित।

समर्थन कीजिए

सनातन धर्म प्रतिष्ठान के बारे में

सनातन धर्म प्रतिष्ठान® एक गैर लाभकारी, गैर राजनीतिक, गैर सरकारी सार्वजनिक धार्मिक व धर्मार्थि पंजीकृत ट्रस्ट है। इसका मुख्य व पंजीकृत कार्यालय गुरुग्राम (हरियाणा) तथा शाखा कार्यालय मुंबई, दिल्ली व लखनऊ और दुबई में हैं।

प्रतिष्ठान को ट्रस्ट डीड के माध्यम से स्थापित किया है।

ट्रस्ट डीड की मुख्य जानकारी निम्न है:

ट्रस्ट डीड पंजीकरण की तिथि:	21 नवंबर, 2022
ट्रस्ट बनाने वाले का नाम:	श्रीमती नील कंवल अग्रवाल
ट्रस्ट बनाने वाले का योगदान:	5 करोड़ रुपए
संस्थापक ट्रस्टी:	1. सुदेश अग्रवाल 2. वेद प्रकाश 3. प्रसून पाल 4. रवि शर्मा
अधिक से अधिक ट्रस्टी:	25 (इन्हें प्रस्ताव से बढ़ाया जा सकता है)
ट्रस्टियों के बोर्ड का अध्यक्ष:	श्री सुदेश अग्रवाल
पंजीकृत कार्यालय:	डब्ल्यू 6/5, डी एल एफ फेज 3, गुरुग्राम (हरियाणा) 122002

कौन करेगा ..... ???

सनातन धर्म स्थल

निर्माण की ज़िम्मेदारी ले रहा है,

सनातन धर्म प्रतिष्ठान®

(एक सार्वजनिक, धार्मिक व धर्मार्थ ट्रस्ट)

गैर सरकारी * गैर लाभकारी * गैर राजनितिक

आप सभी के सहयोग के बिना इस परियोजना को पूरा नहीं किया जा सकता।

प्रतिष्ठान आप को आमंत्रित करता है कि आप समर्थन फार्म भर कर या मिस्ड कॉल (+91 8607000901) देकर इस परियोजना के साथ जुड़ें और सहयोग करें।

"धर्म से लोग चलते हैं और धर्म का काम धर्म करेगा। सरकारें कभी धर्म नहीं चलाती, हाँ, सहयोग ज़रूर करती हैं।"

सुदेश अग्रवाल, संस्थापक ट्रस्टी

परियोजना
सनातन धर्म स्थल

(विश्व का सबसे बड़ा तीर्थ स्थान, ज्ञान, पूजा व प्रार्थना का केंद्र)

विषय सूची

1.	सनातन धर्म क्या है।	07
2.	धर्म स्थल की जरूरत क्यों ?	08-09
3.	धर्म और रिलिजन में अंतर।	10
4.	स्थल का मिशन, लक्ष्य व उद्देश्य।	11
5.	स्थल का प्रारूप।	12-13
6.	स्थल की विशेषताएं व स्थल में क्या क्या होगा।	14
7.	पैसा कहाँ से आएगा। स्थल कहाँ बनेगा।	15
8.	परियोजना का समय क्रम।	16-17
9.	स्थल से यात्रियों को मिलने वाले अनुभव।	18
10.	स्थल से मिलने वाले फायदे।	19
11.	अपील।	20
12.	समर्थन फॉर्म।	21-22
13.	संस्थापक का परिचय।	23

सनातन धर्म क्या है...?

मनुष्य की आस्था प्रणाली में सबसे पहले यह मानना जरूरी है कि ब्रह्माण्ड का निर्माण किसी अलौकिक शक्ति ने किया और वही शक्ति इसे चला रही है। उसी शक्ति ने सब के धर्म तय किये हैं।

धर्म शब्द का उल्लेख ऋग्वेद में है जो सृजित प्राणियों खासतौर पर ब्रह्मांडीय (जैसे सूर्य) के लिए उपयोग किया गया था कि उनको निर्धारित पद्धति के अनुसार ही चलना है। यह धारणा थी कि अगर वह उस निर्धारित पद्धति के अनुसार नहीं चलेंगे तो वो कई प्रकार की आपदाओं और कष्टों के लिए जिम्मेदार होंगे।

सनातन धर्म सबसे पुराना धार्मिक दर्शनशास्त्र है और यह मूल्यों, कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का वर्णन करता है जो ब्रह्मांड के निर्माता ने प्रतिष्ठापित की हैं। इनका पालन सभी को, जीवित या निर्जीव, मनुष्य को भी, करना है। सनातन धर्म के शास्त्र 'वेद' विश्व के सबसे पुराने लिखित ग्रंथ हैं जो कम से कम 7500 ईसा पूर्व वर्ष के हैं।

धर्म शब्द का उपयोग मानवों के लिए उनके प्राकृतिक, धार्मिक, सामाजिक व नैतिक क्षेत्र में किया गया कि उनको मूल्यों, कर्तव्यों व जिम्मेदारियों, अधिकारों, कानूनों, चरित्र, गुणों , सही तरीके से रहना, नीतिपरायणता की पद्धति का अनुसरण करना है। धर्म सार्वभौमिक है और यह सभी मानवों पर लागू होता है।

ऐतिहासिक तथ्य

1,000 ईसा पूर्व वर्ष से पंथों और सम्प्रदायों, यहूदी, जैन, बौद्ध, ईसाई, इस्लाम, सिख, स्वामीनारायण, आर्य समाज, साई बाबा इत्यादि, के उभरने की शुरुआत हुई जिसने सनातन धर्म को पीछे धकेल दिया और नए पंथों का विस्तार करने के लिए बल, जोर जबरदस्ती, प्रलोभन आदि सभी किस्म के तरिके अपनाये गए।

सनातन शास्त्र महा उपनिषद दर्शाता है "वसुधैव कुटुम्बकम" अर्थात विश्व एक परिवार है।इस विचारधारा ने सनातन धर्म के अनुयायियों को धर्म परिवर्तन, आक्रमण, युद्ध, हिंसा, लालच, जबरदस्ती जैसे तरीकों से सनातन धर्म का विस्तार करने से प्रतिबंधित किया। इसके विरुद्ध अन्य पंथों व सम्प्रदायों का सनातन धर्म पर हमला 3,000 वर्षों से चल रहा है। इसी कारण से सनातन धर्म के ज्यादातर अनुयायी भारत की सीमाओं तक ही सिमट कर रह गए।

यह सब कुछ होने के बावजूद भी भारत ने कभी भी किसी देश पर आक्रमण नहीं किया और ना ही अन्य पंथों के अनुयायियों को किसी भी तरीके से धर्म परिवर्तन करने की कोशिश की।

सनातन धर्म के अनुयायी मायने हिन्दू शांतिपूर्वक रहने में विश्वास रखते हैं और उन्होंने विश्व को दिखा दिया की वह अन्य पंथों व सम्प्रदायों के अनुयायियों के साथ मिलजुल कर शांतिपूर्वक रहने को तैयार हैं। हिन्दू विश्व के सबसे ज्यादा सहनशील लोग हैं और इसीलिए आजकल भारतीयों का सम्मान विश्व में सब जगह होता है।

हाल ही में हिन्दुओं ने आक्रामक रुख लिया है और यह भद्दा रूप भी ले सकता है यदि अन्य पंथों व सम्प्रदायों के अनुयायी सनातन धर्म के अनुयायियों को मान्यता देना और मान सम्मान करना सीख ना लें।

स्थल की जरूरत क्यों?

सनातन धर्म, हिंदुओं का मूल आधार दर्शनिशास्त्र है। सनातन धर्म ने, पंथों और सम्प्रदायों (यानि यहूदी, पारसी, जैन, बौद्ध, ईसाई, इस्लाम, स्वामीनारायण, आर्य समाज, साई बाबा इत्यादि) के उभरने की वजह से, हजारों वर्ष में अपने आप को खो दिया जबकि इन सभी पंथों व सम्प्रदायों ने किसी ना किसी रूप में सनातन शास्त्रों से ज्ञान लिया है। साथ ही साथ हिन्दू भी पीढ़ी दर पीढ़ी सनातन धर्म ज्ञान को आगे सौंपने में असफल रहे। आज यह ज्ञान लगभग खो चुका है।

हिन्दुओं ने देवी देवताओं के भव्य व बड़े से बड़े मंदिर बनाए लेकिन सनातन धर्म का कोई बड़ा स्थल नहीं बनाया।युवा पीढ़ी हिन्दू धर्म को लेकर भ्रांत है और इसे ठीक करना जरूरी है।

हिन्दू आज बिखरा हुआ है और जाति, पंथों और सम्प्रदायों में बट गया और मूल आधार सनातन धर्म को भूल गया। इस कारण विदेशी पंथों ने हर किस्म के हथकंडे अपनाकर हिन्दुओं का धर्मांतरण कराया। हिन्दुओं को हजारों वर्ष की गुलामी का सामना करना पड़ा।

सनातन धर्म का पुनरुत्थान आज की जरूरत है जिससे हिंदुओं को एकजुट और सनातन ज्ञान को ट्रांसफर किया जा सके। यह चरित्र निर्माण और मूल्यों को ग्रहण करने में मील का पत्थर होगा और हिन्दुओं के अस्तित्व को विदेशी पंथों से बचाएगा। सनातन धर्म स्थल इन सभी के लिए एक अहम भूमिका निभाएगा।

कुछ पश्चिमी प्रभावशाली व्यक्तियों के बयान

"हिंदुत्व और हिन्दू एक दिन इस विश्व पर राज करेंगे क्योंकि यह ज्ञान और बुद्धिमत्ता का मिश्रण है।"

लियो टॉलस्टॉय (1828 - 1910)

"कितनी पीढ़ियां कत्लों और अत्याचारों को झेलेंगी जब तक हिंदुत्व अच्छी तरह से समझा नहीं जाता। लेकिन एक दिन विश्व हिंदुत्व से प्रेरित होगा। सिर्फ उस दिन यह विश्व मानव के रहने और जीने का स्थान बनेगा।"

हर्बर्ट वेल्स (1846 - 1946)

"आज नहीं तो एक दिन हमें हिंदुत्व को स्वीकार करना होगा क्योंकि यही सच्चा धर्म है।"

जोहनन कीथ (1749 - 1832)

"मैंने हिंदुत्व को पढ़ा है। मैं अनुभव करता हूँ कि यह धर्म विश्व की मानवता के लिए है। हिंदुत्व का फैलाव सारे यूरोप में हुआ। बहुत से विद्वान जो हिंदुत्व पढ़ रहे है यूरोप में उभरेंगे। एक दिन ऐसी वरवस्था पैदा होगी की हिन्दू विश्व का नेतृत्व करेंगे।"

बरट्रैंड रसल (1872 - 1970)

"एक दिन विश्व हिंदुत्व को स्वीकार करेगा। हिंदुत्व के सच्चे रूप को स्वीकारने से इंकार करने वाले ही इसके सिद्धांतों को स्वीकार कराएंगे। पश्चमी देश एक दिन निश्चित रूप से हिंदुत्व में धर्मांतरण करेंगे। शिक्षितों का धर्म हिंदुत्व के बराबर है।"

बर्नार्ड शॉ (1856 - 1950)

हिन्दू, इन पश्चिमी प्रभावशाली व्यक्तियों की भावनाओं को पूरा करने में असफल रहे और सनातन धर्म का केंद्रीय स्थान बनाने में बहुत देर कर दी। ये कहा गया है कि देरी, कभी नहीं से बेहतर है। आओ अब हम सब मिलकर केंद्रीय सनातन धर्म स्थल का निर्माण करें और इस देरी को खत्म करें।

रिलिजन और धर्म में अंतर

क्रम संख्या	रिलिजन	धर्म
1	रिलिजन का संस्कृत भाषा में अनुवाद "पंथ" है।	धर्म का पश्चिमी भाषाओं में कोई समान अनुवाद नहीं है।
2	पंथ एक समुदाय की आस्था पद्धति है	धर्म सर्वत्र है और पूरी मानवता के लिए है
3	पंथ आस्था और पूजा की खास प्रणाली है और उसमें विश्वास करने वालों को उसी रास्ते पर चलना है।	धर्म सब के लिए है। धर्म शाश्वत मूल्य, कर्तव्य और जिम्मेदारियों का रास्ता है और सभी (जीवित या निर्जीव) को उन पर चलना है।
4	पंथ आस्था के विचार को बताता है और विचार बदल भी सकता है।	धर्म शाश्वत हैं और बदलते नहीं हैं।
5	पंथ अपनी इच्छाओं और आवश्यकताओं अनुसार बदला जा सकता है।	धर्म बदले नहीं जा सकते।
6	पंथ का संस्थापक होता है।	धर्म शाश्वत है और कोई संस्थापक नहीं।
7	पंथ के आरंभ होने की तिथि होती है।	धर्म शाश्वत है और आरंभ होने की कोई तिथि नहीं।
8	पंथ लोगों पर निर्भर करता है कि उसके कितने अनुयायी हैं।	धर्म लोगों पर निर्भर नहीं करता बल्कि लोग धर्म पर निर्भर करते हैं।
9	पंथ का प्रचार प्रसार किया जाता है।	धर्म के साथ या तो हम पैदा होते हैं या उन्हें सीखते हैं। अलौकिक शक्ति ने धर्म को सभी (जीवित या निर्जीव) के अंदर निर्वाहित किया हुआ है।

रिलिजन और धर्म में और भी बहुत से अंतर हो सकते हैं।

मिशन

"हिन्दुओं का आधार है सनातन धर्म। हमारा मिशन सनातन धर्म का पुनरुत्थान व सभी हिन्दुओं को एकजुट करना। मानवता और हिन्दुओं के लिए सनातन धर्म स्थल का निर्माण करना जो विश्व का सबसे बड़ा तीर्थ स्थान ही नहीं बल्कि ज्ञान, पूजा व प्रार्थना का केंद्र भी होगा"।

लक्ष्य

प्रतिष्ठान के निम्न मुख्य लक्ष्य हैं:

1. सनातन धर्म का पुनरुत्थान करना।
2. सनातन धर्म की जानकारी का प्रसार करना।
3. हिन्दू परंपराओं, त्यौहारों, रीती-रिवाजों, पूजा और प्रार्थना पद्धतियों को सुविहि रूप देना
4. सभी हिंदुओं को एकजुट करना।
5. सनातन धर्म का केंद्रीय मार्गदर्शक प्राधिकरण बनना।
6. सनातन धर्म और अन्य पंथों के साथ सम्मेलन करना।
7. तीर्थ यात्रा का पवित्र स्थान बनना।
8. मिलजुल कर शांतिपूर्वक रहने का संदेश देना।
9. "विश्व एक परिवार है" इस सनातन संदेश का प्रचार करना।

उद्देश्य

ऊपर लिखित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रतिष्ठान के निम्न उद्देश्य होंगे:

- विचार विमर्श, खुली बहस, सेमिनार, प्रचार प्रसार, विशेषज्ञों के भाषण जैसे कार्यक्रमों का आयोजन करना।
- जो संस्थान, संगठन, समूह या व्यक्ति प्रतिष्ठान के लक्ष्य व उद्देश्यों की पूर्ति में सहायक हों, उनकी सहायता करना।
- जो लोग सनातन धर्म के पालन करने वालों की शांतिपूर्वक रहने की व्यवस्था में बाधा होंगे, उनके लिए एक ऐसा निवारण ढांचा तैयार करना जिससे वो ऐसा न कर पाएं।
- देश व राज्यों की नीतियों और वर्तमान कानून, जो प्रतिष्ठान के लक्ष्य और उद्देश्यों को प्रभावित करते हैं, उनके अध्ययन के लिए विशेषज्ञों की कमेटियों का गठन करना।
- प्रतिष्ठान के लक्ष्य और उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए, भारतीय व अंतरराष्ट्रीय सरकारी संस्थानों, गैर सरकारी संस्थानों, संगठनों, व्यक्तियों या अन्य के साथ मेलमिलाप करना, जानकारी साँझा करना व एक साथ मिलकर काम करना।
- राष्ट्रीय गौरव, हम सभी भारतीय एक हैं,और एकता की भावना पैदा करना, चाहे हम किसी भी जाति, वर्ग, पंथ, सम्प्रदाय, राज्य, भाषा, रंग के हों।
- सभी भारतीयों , अप्रवासी भारतीयों, भारतीय मूल के विदेशी नागरिकों व अन्य को लक्ष्यों और उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए आमंत्रित करना।

सनातन धर्मस्थल
केंद्रीय गृह की एनिमेटेड फोटो
सामने से

SANATAN DHARMA HOLY CITY
Animated Photo of Central Sanctorum
(Front View)

सनातन धर्म स्थल में आपका स्वागत

ध्यान केंद्र (Meditation Center)

स्नान घाट (Bathing Ghat)

ज्ञान केंद्र (Knowledge Centre)

स्थल का प्रारूप

विशेषताएं

सनातन धर्म स्थल विश्व का सबसे बड़ा तीर्थ स्थान ही नहीं बल्कि ज्ञान, पूजा और प्रार्थना का केंद्र होगा। स्थल ईसाईयों के वेटिकन शहर और मुसलमानों की मक्का की मस्जिद से भी बड़ा होगा।

आत्मनिर्भर | गुरुकुल | योग केंद्र | तीर्थयात्रियों के लिए आवास

पूर्णतः शाकाहारी | सम्मेलन केंद्र क्षमता **3000** लोग | स्थल में काम करने वालों के लिए आवास | वरिष्ठ नागरिकों के निर्वाह का इंतज़ाम

प्रशासनिक भवन
मीडिया सुविधाओं के साथ | हरित, सुंदर, शुद्ध व शांत वातावरण में पूजा और प्रार्थना का स्थान | विश्वविद्यालय - सनातन धर्म: और अन्य पंथों के अध्ययन के लिए

मनुष्य की तन, मन, आत्मा को स्वस्थ रखने के केंद्र (वैलनेस सेंटर्ज) | भारतीय संस्कृति, परंपराओं, त्यौहार, रीती-रिवाज, संगीत और नृत्य के अध्ययन का संस्थान

स्नान घाट
सभी सुविधाओं के साथ। पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग अलग

सभी मूलभूत सुविधाएं
सड़क, बिजली, पानी, जल निकासी, कूड़ा निपटान, मनोरंजन, दुकानें इत्यादि

पैसा कहाँ से आएगा

सनातन धर्म प्रतिष्ठान का विश्वास है कि इस किस्म की परियोजना के लिए पैसे की कभी कमी नहीं होगी। बिना कोई पैसा इकठ्ठा किये, सनातन धर्म स्थल का सही रूप से बुनियादी ढांचा खड़ा करने के लिए प्रतिष्ठान के पास पर्याप्त पैसा है।
निम्न कार्यों के लिए फंड की जरूरत है:

- भूमि खरीदने के लिए
- परियोजना के निर्माण के लिए
- रोज मर्रा के प्रबंधन खर्चों के लिए

परियोजना की अनुमानित लागत 20,000 करोड़ रुपए के लगभग है लेकिन असल में वह कितनी होगी इस समय अनुमान लगाना बहुत मुश्किल है। इस लिए फंड एकत्रित करने के कई माध्यम होंगे जिससे जरूरत अनुसार पैसा इकट्ठा किया जायेगा।

पैसे का मुख्य साधन हिन्दू और हिन्दू संस्थान होंगे।

स्थल कहाँ बनेगा।

भूमि 8,000
से 10,000 एकड़

सड़क, रेल, हवाई अड्डे,
समुद्री बंदरगाह के आस पास

परियोजना का समय क्रम

क्रम संख्या	विवरण	दिसंबर 2022 तक	दिसंबर 2023 तक	2024	2025	2026	2027	2028	2029	2030	2031	2032
1	परियोजना का अंतिम प्रारूप											
2	प्रस्तुति तैयार करना											
3	ट्रस्ट पंजीकृत करना											
4	टीम का गठन करना											
5	समर्थन प्राप्त करना											
6	राज्य और केंद्र सरकार से वार्तालाप											
7	परियोजना के लिए जगह चिन्हित करना											
8	राज्य सरकार के साथ एग्रीमेंट साइन करना											
9	राशि उपलब्ध करना											
10	जमीन उपलब्ध करना											
11	डिज़ाइन को अंतिम रूप देना											
12	बुनियादी ढांचे का निर्माण शुरू करना											
13	परियोजना का निर्माण											

पूरा हो गया | काम जारी है | अभी शुरू होना है

सनातन धर्म स्थल से तीर्थ यात्रियों को मिलने वाले अनुभव

सनातन धर्म स्थल इतना भव्य होगा कि इसको:

- देखने और अन्य क्रियाएं (योग, पवित्र स्नान, आयुर्वेद, परिक्रमा, ध्यान, हवन इत्यादि) करने के लिए,
- सभी देवी देवताओं के दर्शन करने के लिए,
- अन्य पंथों के पूजा के स्थान देखने के लिए, और
- विश्व के हिन्दू मंदिर देखने के लिए

तीर्थ यात्रियों को कम से कम 4 दिन स्थल में बिताने होंगे। तीर्थ यात्रियों को स्थल की यात्रा में और यात्रा समाप्त होने के पश्चात निम्न अनुभव मिलेंगे।

1. **स्थल में प्रवेश होते ही तीर्थ यात्रियों को एक शुद्ध व शांत वातावरण में आने का एहसास होगा।**
2. **यात्रियों की हर जरूरत (रहना, खाना पीना, आवागमन के साधन इत्यादि) का सुचारू रूप से ख्याल रखा जायेगा और आपकी तीर्थ यात्रा चिंता मुक्त होगी।**
3. **स्थल में यात्रियों को ऐसा महसूस होगा की वह ईश्वरीय स्थान पर पहुँच गए हैं।**
4. **सनातन धर्म संग्राहलय से सनातन धर्म की क्रमागत उन्नति को जानने का अवसर मिलेगा।**
5. **वेदों व शास्त्रों की जानकारी और मूल ज्ञान मिलेगा।**
6. **सभी हिन्दू देवी देवताओं के दर्शन व पूजा और प्रार्थना करने का अवसर मिलेगा।**
7. **सनातन धर्म स्तम्भों की परिक्रमा करके तीर्थ यात्रि सनातन धर्म में आस्था और विश्वास दर्शाएंगे।**
8. **विशाल ध्यान केंद्र में ध्यान लगाने से मन को शांति मिलेगी।**
9. **स्थल सनातन धर्म की भव्यता का अनुभव कराएगा और दर्शाएगा की वह विश्व में कितना फैला हुआ है।**
10. **यात्री स्थल में आने के पश्चात सनातन धर्म सभ्यता का हिस्सा होने पर गर्व करेंगे।**
11. **दोबारा स्थल में आने की यात्रियों की इच्छा प्रबल होगी।**

स्थल से होने वाले फायदे

सनातन धर्म स्थल निर्माण का सबसे बड़ा फायदा हिन्दुओं और हिन्दुओं की आने वाली पीढ़ियों को होगा। मानसिक रूप से हिन्दू गौरवान्तिक अनुभव करेंगे और विश्व में उनकी छवि व प्रभाव बढ़ेगा।

हिन्दू एकजुट होंगे और दुसरे विदेशी पंथों का प्रभाव कम होगा। हिन्दुओं की दुसरे पंथों में धर्मांतरण पर रोक लगेगी। सनातन धर्म के खुलेपन की वजह से अन्य पंथों के लोग सनातन धर्म को अपनाएंगे।

सनातन धर्म स्थल विश्व शांति पर प्रभाव डालेगा और कत्लेआम और अत्याचार कम होंगे। स्थल विश्व में भारत की छवि को बढ़ाएगा।

सनातन धर्म स्थल हिन्दू परम्पराओं, रीति रिवाजों, प्रार्थना पद्धतियोहारों, प्रथाओं का विश्लेष्ण करके उनको सुविहि रूप देने की कोशिश करेगा। स्थल सनातन ज्ञान की शिक्षा देने के लिए शास्त्री पैदा करेगा।

स्थल के निर्माण से सामाजिक मेलमिलाप बढ़ेगा और कोई सनातन धर्म पर ऊँगली उठाने की हिम्मत नहीं करेगा।

स्थल आर्थिक रूप से राज्य सरकार की मदद करेगा। 60,000 से ज्यादा नौकरियों का राज्य में सृजन करेगा और 40 - 50 हजार करोड़ से राज्य की अर्थ व्यवस्था में असर डालेगा। राज्य के लिए 5,000 करोड़ रुपयेक का राजस्व भी पैदा करेगा।

सनातन धर्म स्थल मानवता के लिए मील का पत्थर होगा और भारत और पुरे विश्व से 5 करोड़ से अधिक लोग प्रतिवर्ष तीर्थ यात्रा और इसे देखने के लिए आएंगे।

अपील

सनातन धर्म प्रतिष्ठान ने सनातन धर्म स्थल का निर्माण करने की जिम्मेदारी उठाई है लेकिन इस परियोजना को सनातन धर्म प्रतिष्ठान अकेले ना तो पूरा कर सकता है और ना ही करना चाहिए। सनातन धर्म स्थल सभी हिन्दुओं के सहयोग और हिस्सेदारी से ही पूरा किया जा सकता है।

सनातन धर्म प्रतिष्ठान सभी हिन्दुओं, हिन्दू संगठनों, पंथों, सम्प्रदायों, सोसाइटियों, गैर सरकारी संस्थानों, कारपोरेट, व्यवसायिक संगठनों व अन्य सभी व्यक्तियों से अपील करता है कि आप समर्थन फार्म भर कर अपना सहयोग करें और सहभागी बनें।

अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट देखें:
www.sanatandharmafoundation.org

टीम, सनातन धर्म प्रतिष्ठान

सनातन धर्म प्रतिष्ठान®

(एक सार्वजनिक धार्मिक व धर्मार्थ ट्रस्ट)

(गैर सरकारी - गैर लाभकारी - गैर राजनितिक)

Email : info@sanatandharmafoundation.org
Website : www.sanatandharmafoundation.org

समर्थन फॉर्म - प्रवासी भारतीय

मेरी सनातन धर्म स्थल परियोजना में रुचि है और मैं सहभागी / समर्थक के रूप में जुड़ना चाहता हूँ। मेरे बारे में जानकारी नीचे दी गई है

पूरा नाम: _____

हैसियत: ☐ कॉरपोरेट ☐ संगठन ☐ गैर सरकारी संस्थान ☐ सोसायटी ☐ व्यक्ति ☐ अन्य

राष्ट्रीयता: भारत राज्य: _____

जिला: _____ शहर: _____

पिन कोड: _____ टेलीफोन / मोबाइल: _____

व्हाट्सअप्प नंबर: _____ इ मेल: _____

सहयोग का रूप (एक या एक से ज्यादा चुनें)

☐ ट्रस्टी ☐ सम्मानार्थ ट्रस्टी ☐ संरक्षक ☐ सलाहकार

☐ वालंटियर ☐ प्रबंधन का हिस्सा (वेतन या बिना वेतन)

☐ राशि जुटाने वाला ☐ समर्थक ☐ सहभागी ☐ दानी

☐ सोशल मीडिया प्रभावी ☐ वैदिक विद्वान व आचार्य

☐ संस्कृत भाषा विद्वान ☐ पुजारी व अन्य पंथों के विद्वान

☐ शोधकर्ता ☐ अन्य

_____
हस्ताक्षर

FOLD HERE FOLD HERE FOLD HERE

To,

SANATAN DHARMA FOUNDATION®
(a public Religious & Charitable Trust)
W6/5, DLF City Phase 3, Gurugram 122002 (Haryana)

प्रमोटर का परिचय
सुदेश अग्रवाल
अध्यक्ष - बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज

संक्षिप्त परिचय

एक मध्यम वर्गीय परिवार से आने वाले श्री सुदेश अग्रवाल ने अपनी व्यावसायिक, सामाजिक व राजनीतिक कार्यशैली से इतनी उन्नति की कि उनका नाम अन्य नामचीन हस्तियों के साथ "टॉप 25 इंडियन (NRI) लुमिनरीज ऑफ द वर्ल्ड" (Top 25 Indian (NRI) Luminaries of the World) नाम की पुस्तक में प्रकाशित हुआ। श्री अग्रवाल ने साबित किया कि कैसे अपने दृढ़ संकल्प, मेहनत और आग्रही कोशिशों से, ईमानदारी व सत्यनिष्ठा जैसे सिद्धांतों से समझौता किये बिना, जीवन में सफलता मिल सकती है।

सुदेश अग्रवाल जायंट ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज (Giant Group of Industries) के संस्थापक चेयरमैन और प्रबंधन डायरेक्टर हैं। 1989 में स्थापित जायंट ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के उत्पादन क्षेत्र के अलावा अन्य विविध क्षेत्रों में व्यापार हैं। श्री अग्रवाल ने 1973 में B.Com के बाद MBA की डिग्री हासिल की। 1975 में उनके व्यावसायिक जीवन की शुरुआत कुवैत में एक अंतरराष्ट्रीय कम्पनी के साथ "प्रबंधन सलाहकार" से हुई।

श्री अग्रवाल ने चेयरमैन के रूप में बहुत सी गैर लाभकारी संस्थाओं को अपनी सेवाएं दी जैसा की इंडिया ट्रेड एंड एक्सहिबिशन सेंटर यू. ए. इ. (India Trade & Exhibition Centre, UAE), इंडियन बिज़नेस एंड प्रोफेशनल काउंसिल, शारजाह (Indian Business & Professional Council, Sharjah), बिज़नेस लीडरज़ फोरम (Business Leaders Forum), समस्त भारतीय प्रतिष्ठान (All Indians Foundation) इत्यादि। उनका नाम खाड़ी के देशों (GCC) की फ़ोर्ब्स (Forbes) और अरेबियन बिज़नेस (Arabian Business) के टॉप 100 लोगों की सूची में सम्मिलित है। श्री अग्रवाल, समाज और देश की सेवा के लिए, अपना समय व्यापार देखने के साथ साथ भारत और यू. ए. इ. (UAE) में बहुत सी गैर लाभकारी संस्थाओं को देते हैं।

आजकल वह सनातन धर्म का अध्ययन करने में लगे हैं और एक पुस्तक लिखने में व्यस्त हैं जिसका शीर्षक "हिन्दू सनातन धर्म - मूल जानकारी" है। यह पुस्तक सनातन धर्म शास्त्रों के ज्ञान पर आधारित होगी और मानव के मूल्य, कर्तव्य और जिम्मेदारियों को दर्शाएगी। उनके जीवन का सपना है कि वह एक ऐसे सनातन धर्म स्थल का निर्माण करें जो विश्व का सबसे बड़ा तीर्थ स्थान ही नहीं बल्कि ज्ञान, पूजा और प्रार्थना का केंद्र भी हो।

पुस्तकों में सुदेश अग्रवाल

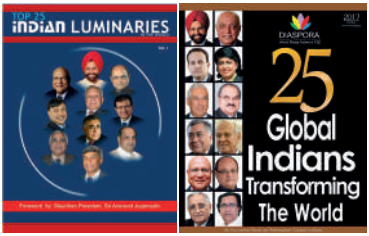

सनातन धर्म प्रतिष्ठान®

(एक सार्वजनिक धार्मिक व धर्मार्थ ट्रस्ट)

(गैर सरकारी - गैर लाभकारी - गैर राजनितिक)

Email : info@sanatandharmafoundation.org
Website : www.sanatandharmafoundation.org

भारत

मुख्य व पंजीकृत कार्यालय:

*डब्ल्यू 6/5, डीएलएफ फेज 3,
गुरुग्राम 122002 (हरियाणा)*

महाराष्ट्र

*सी 2/53, टैक्सटिला टविन टावर लेन,
प्रभादेवी, मुंबई 400025*

दिल्ली

*हैफेड कांप्लेक्स, पहली मंजिल,
ए - ब्लॉक, वज़ीरपुर, रिंग रोड, नई दिल्ली 110034*

उत्तर प्रदेश

*जी 1/73, शिवानी पब्लिक स्कूल के सामने,
ट्रांसपोर्ट नगर, लखनऊ 226012*

अंतरराष्ट्रीय

प्रतिनिधि कार्यालय

संयुक्त अरब अमीरात

*मजाया बिजनेस एवेन्यू, टॉवर एए1,
स्वीट 502 जेएलटी, दुबई, यूएई*

सहभागी संस्थाएं

सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा

MAHARISHI MAHESH YOGI

Our sincere thanks to:

- West Coast Paper Mills Ltd.- Kolkata 700016 for complimentary supply of paper.
- Saraswati Offset Printers (Pvt.)Ltd. - New Delhi 110028 for complimentary printing.

Print run First Edition: 1 -100,000 copies